should bring back the files to Calcutta to create a favourable climate for negotiation was put to the employer by the Union Labour Minister at his meeting with representatives of the employer and the workers at New Delhi on April 28, 1967. The employer pleaded inability to accept the suggestion.

विदेशी छात्रवृत्तियां

193. **श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या शिक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1965–66 और 1966–67 के दौरान कितने विद्यार्थियों को विदेशी छात्रवृत्तियां दी गईं तथा विदेशों को भेजा गया;

(ख) इसके लिये कितने आवेदन-पत्र प्राप्त हुए थे;

(ग) क्या विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया के सम्बन्ध में सरकार को कोई शिकायतें मिली हैं ; और

(घ) यदि हां, तो शिकायतें किस प्रकार की हैं तथा उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री डोर सिंह) :

(क)	1965–66	372
	1966–67.	396
(ख)	1965–66	10,381
	1966–67.	9,448

(ग) जी नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

युवक सेवा विभाग

194. **श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या शिक्षा मन्त्री 5 अप्रैल, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 556 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मन्त्रालय में बनाये गये युवक सेवा डिवीजन (डिवीजन आफ यूथ सर्विसेज) की रूपरेखा क्या है ; और

(ख) उस पर कितना वार्षिक व्यय होने की सम्भावना है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री भक्तदर्शन) : (क) युवक सेवा प्रभाग में निम्नलिखित विषय आते हैं :—

(1) शारीरिक शिक्षा, जिसमें राष्ट्रीय स्वस्थता दल कार्यक्रम का कार्यान्वयन, लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा कालेज, ग्वालियर तथा देश के शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण सम्बन्धी संस्थानों को मजबूत करना शामिल है। राष्ट्रीय शारीरिक सक्षमता आन्दोलन तथा योग समेत शारीरिक शिक्षा की विशेष शाखाओं में अनुसन्धान का संवर्धन;

(2) खेल-कूद, जिसमें राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला का विकास भी शामिल है राष्ट्रीय खेल संघ और राज्य खेल परिषदों को अनुदान, टीमों को विदेश भेजना, विदेशी टीमों को भारत आमन्त्रित करना, प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन खेल उपस्कर की खरीद, ग्रामीण खेल केन्द्रों की स्थापना और खेल प्रतिभा छात्रवृत्ति योजना के अधीन छात्रवृत्तियां प्रदान करना आदि ।

(3) काम चलाऊ स्टेडियमों का निर्माण, राष्ट्रीय खेल केन्द्र की स्थापना और राष्ट्रीय स्टेडियम, दिल्ली का विकास । पर्वतारोहण संस्थान और अभियानों के लिए